

सिगरेट-गुटखा की कीमतों में राहत नहीं

टैक्स कटौती बेअसर—तंबाकू फिर भी रहेगा महंगा
जीएसटी सेस हटाना, नया सेस लगाना—कीमतें जस की तस

नई दिल्ली 01 दिसंबर. सरकार तंबाकू और सिगरेट जैसी सिन गुड्स को सस्ता होने से रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है. जीएसटी के तहत लगने वाला कम्पेंसेशन सेस अब समाप्त हो सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सिगरेट, गुटखा या पान मसाला की कीमतों में कोई राहत मिलेगी.

इसके बजाय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद के शीतकालीन सत्र में एक नया



असंतुलन बढ़ने से इसे 2026 तक बढ़ाना पड़ा. अब, जब यह अवधि घटाई जा रही है, सरकार तंबाकू उत्पादों पर नई संरचना लागू करना चाहती है. नया 'हेल्थ एंड सिक्योरिटी सेस' केवल राजस्व को स्रोत नहीं होगा, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी देगा—कि तंबाकू जैसे हानिकारक उत्पाद को सस्ता नहीं किया जाएगा.

'हेल्थ एंड सिक्योरिटी सेस' बिल पेश करने जा रही हैं, ताकि इन उत्पादों की मौजूदा कीमतों पर बरकरार रहें और लोगों को इनके सेवन से दूर रखा जा सके. सरकार का स्पष्ट संदेश है—तंबाकू

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज लोकसभा में यह विधेयक पेश करेंगी, जिसे जीएसटी कम्पेंसेशन सेस के स्थान पर लागू किया जाएगा. 2017 में जीएसटी लागू होने के साथ यह सेस राज्यों को 14 प्रतिशत अतिरिक्त राजस्व देने के लिए लगाया गया था, लेकिन कोरोना के बाद राजस्व

स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इसलिए इसे सस्ता नहीं होने दिया जाएगा. इस नए सेस से प्राप्त राजस्व को डिफेंस और प्रसारण के लिए उपयोग में खर्च किया जाएगा. पड़ोसी देशों

के साथ बढ़ते तनाव और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की जरूरत को देखते हुए केंद्र सरकार इन उत्पादों पर पहले जैसी ही सख्ती बनाए रखना चाहती है. यानी टैक्स स्ट्रक्चर बदलेगा, लेकिन जेब पर बोझ नहीं. सरकार जल्द ही तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी और पान मसाले पर नया सेस लगाने की तैयारी कर रही है.

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह सिर्फ कमाई का तरीका नहीं है; यह पब्लिक हेल्थ के हित में एक ठोस नीति है. सिगरेट पर अभी 5 प्रतिशत से 64 प्रतिशत तक सांख्यिकी कम्पेंसेशन सेस लगता है. नया सेस भी लगभग समान स्तर पर रखा जाएगा ताकि किसी भी प्रकार की कीमत गिरावट को रोका जा सके.

पैनासोनिक ने धोनी को बनाया ब्रांड एंबेसडर

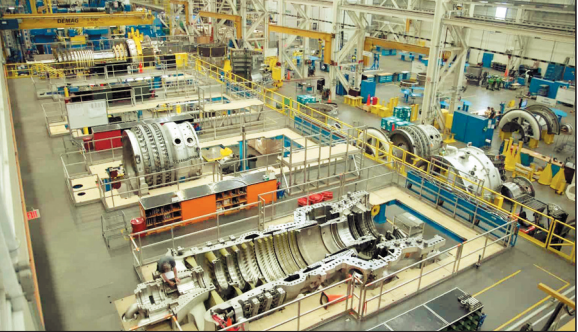


नयी दिल्ली, 01 दिसंबर. पैनासोनिक लाइफ सांख्यिकी इंडिया ने दुनिया भर में कैप्टन कूल के नाम से मशहूर पूर्व भारतीय कप्तान और युवाओं के पसंदीदा महेंद्र सिंह धोनी को देश में अपने एयर कंडीशनर पोर्टफोलियो का नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है. कंपनी ने बनाया धोनी निरंतरता, संयम और उत्कृष्ट क्षमता वाले प्रदर्शन के प्रतीक हैं. उनके पैनासोनिक परिवार से जुड़ने से देशभर में उपभोक्ताओं के बीच ब्रांड की पहचान और जुड़ाव को बढ़ावा मिलेगा. धोनी के कंपनी के साथ जुड़ने पर पैनासोनिक लाइफ के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तदारी चिवा ने कहा, यह साझेदारी साझा मूल्यों का प्रतिबिम्ब है.

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटी

नयी दिल्ली, 01 दिसंबर. बिजली उत्पादन और खनन में गिरावट के कारण अक्टूबर में देश के औद्योगिक उत्पादन में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी जो 14 महीने का निचला स्तर है. अगस्त 2024 में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 4.45 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी थी. इस साल सितंबर में औद्योगिक उत्पादन 4.6 प्रतिशत और पिछले साल अक्टूबर में 3.7 प्रतिशत बढ़ा था.

केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि नवंबर में बिजली उत्पादन 6.9 प्रतिशत घट गया. एक साल पहले इसमें दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी. खनन में भी 1.8 प्रतिशत की गिरावट रही, जबकि पिछले साल 0.9 फीसदी की वृद्धि हुई थी. वहीं,



विनिर्माण की वृद्धि दर एक साल पहले के 4.4 प्रतिशत से घटकर 1.8 प्रतिशत रह गयी. पूरे वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल से अक्टूबर के बीच औद्योगिक उत्पादन 2.7 प्रतिशत बढ़ा है. पिछले साल इसी अवधि में यह चार प्रतिशत ऊपर रहा था. इस दौरान, खनन में 1.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है जबकि बिजली उत्पादन सपाट रहा था यानी पिछले साल के स्तर पर ही

रहा था. विनिर्माण की वृद्धि दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही. विनिर्माण के तहत 23 औद्योगिक समूहों में से नौ में अक्टूबर में उत्पादन बढ़ा है, जबकि अन्य में घटा है. प्रमुख धातुओं का विनिर्माण 6.6 प्रतिशत, कोयला और शोधित पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन 6.2 प्रतिशत और मोटर वाहनों, ट्रेलर तथा सेमी-ट्रेलर का 5.8 प्रतिशत बढ़ा है.



विमान ईंधन 5.5 प्रतिशत महंगा, वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर सस्ता

विमान ईंधन की कीमत 5133.75 रुपये बढ़कर 99,676.77 रुपये
14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है

नयी दिल्ली, 01 दिसंबर.तेल विपणन कंपनी ने सोमवार से विमान ईंधन के दाम करीब 5.5 प्रतिशत बढ़ा दिये हैं जबकि 19 किलोग्राम वाले रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई है. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 5133.75 रुपये बढ़कर 99,676.77 रुपये प्रति किलोलीटर हो गयी है.

इससे पहले नवंबर में कीमत 0.83 प्रतिशत बढ़कर 94,543.02 रुपये प्रति किलोलीटर रही थी. अक्टूबर में भी इसकी कीमत तीन प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी थी. कोलकाता में आज से विमान

ईंधन 4.94 प्रतिशत महंगा होकर 1,02,371.02 रुपये प्रति किलोलीटर मिलेगा. मुंबई में इसकी कीमत 5.46 फीसदी और चेन्नई में 5.31 फीसदी बढ़ाकर क्रमशः 93,281.04 रुपये और 1,03,301.80 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गयी है. वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार दूसरे महीने कटौती की गयी है जबकि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर में कोई बदलाव नहीं किया गया है.

दिल्ली में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर आज से 10 रुपये सस्ता हो गया है. नवंबर में यह पांच रुपये सस्ता हुआ था. अब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 1,580.50 रुपये का मिलेगा. कोलकाता में भी इतनी ही कटौती के साथ इसकी कीमत 1,684 रुपये कर दी गयी है. मुंबई और चेन्नई में इसकी कीमतों में 10.50 रुपये की कटौती की गयी है.

तेल विपणन कंपनी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों में हुए बदलावों तथा डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर के आधार पर रसोई गैस और विमान ईंधन के दामों की हर महीने समीक्षा करती है और आम तौर पर हर महीने की पहली तारीख से नयी कीमतें लागू कर दी जाती हैं.

सोना-चांदी के दामों में आई जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली, 01 नवंबर. चढ़कर 1,28,602 पर पहुंच गया. वहीं चांदी 9,381 उछलकर 1,73,740 प्रति किलो हो गई. लगातार तीसरे महीने गोल्ड और सिल्वर मार्केट में तेजी की लहर बनी हुई है. इसके साथ ही इस साल सोने की कीमतों में कुल 52,440 की बढ़त और चांदी में 87,723 की उछाल देखने को मिल चुकी है.

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डॉलर इंडेक्स के कमजोर होने, केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की लगातार खरीद और क्रिप्टो मार्केट की अनिश्चितता ने निवेशकों को सुरक्षित जगह की तरफ धकेला है. शादी के सीजन की मांग ने भी घरेलू बाजार में तेजी को बढ़ावा

दिया है. विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव, महंगी होती क्रमोडिटी और केंद्रीय बैंकों का रवैया इस तेजी को और आगे बढ़ा सकता है. केडिया एडवाइजरी के मुताबिक इस साल सोना 1.35 लाख प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकता है. सोने और चांदी के दामों में सोमवार को भारी तेजी देखी गई. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी ताजा दरों के अनुसार 10 ग्राम सोना आज 2,011 चढ़कर 1,28,602 पर पहुंच गया, जबकि चांदी 9,381 बढ़कर 1,73,740 प्रति किलोग्राम पर जा पहुंची. यह तेजी अक्टूबर में बने ऑल-टाइम हाई के बाद एक बार फिर नए रेंज की तरफ इशारा कर रही है.

वाहनों की हो रही बंपर बिक्री

नयी दिल्ली, 01 दिसंबर. वस्तु एवं सेवा कर की दरों में कटौती के बाद नवंबर में लगातार दूसरे महीने वाहनों की बंपर बिक्री हुई और देश की सबसे बड़ी कार निर्माता मारुति सुजुकी ने मासिक बिक्री का नया कीर्तिमान स्थापित किया.

मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को बताया कि नवंबर में उसने कुल 2,29,021 यात्री वाहन बेचे जो मासिक

बिक्री का नया रिकॉर्ड है. इसमें घरेलू बाजार में उसने अपने 1,74,593 बेचे जो नवंबर 2024 के मुकाबले 21 प्रतिशत अधिक है. उसने साझेदार कंपनी की 8,371 वाहन बेचे. साथ ही 46,057 वाहनों का रिकॉर्ड निर्यात किया. निर्यात समेत उसकी कुल बिक्री में 26 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गयी है. महिंद्रा एंड महिंद्रा की कुल बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 92,670 इकाई पर पहुंच गयी.



धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने हासिल की वैश्विक उपलब्धि

मुंबई, 01 दिसंबर. कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल ने हासिल की महत्वपूर्ण वैश्विक उपलब्धि; गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा के साथ-साथ पर्यावरणीय और सामाजिक जिम्मेदारी का नया मानक स्थापित किया- यह अस्पताल हेल्थकेयर सस्टेनेबिलिटी के लिए ज्वाइंट कमीशन इंटरनेशनल द्वारा विशेष मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का पहला और विश्व का पांचवां अस्पताल बन गया है.

इस सर्टिफिकेशन ने यह स्थापित कर दिया है कि मुंबई का यह अस्पताल न केवल सामान्य संचालन में मजबूत और लचीला है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से संबंधित जोखिमों के प्रबंधन के लिए भी विश्व स्तर के मानकों का पालन करता है, जिससे वह इस क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान बन गया है.



कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक, डॉ. संतोष शेठ्टी ने वित्तीय और रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला. यह सर्टिफिकेशन हमारे मूल विश्वास को दर्शाता है कि स्थिरता बेहतर वित्तीय परिणामों और मजबूत संचालन प्रदर्शन दोनों को संभव बनाती है. हमारा 2030 सस्टेनेबिलिटी रोडमैप (कार्ययोजना) ऊर्जा दक्षता, जल प्रबंधन, कम उत्सर्जन के लिए काम आने वाली सामग्रियों और जलवायु-प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे पर केंद्रित है. ये निवेश लंबी अवधि के लागत दबावों को कम करने, मरीज की सुरक्षा में सुधार करने और बढ़ते जलवायु अस्थिरता का सामना कर रहे शहर में व्यावसायिक निरंतरता को मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए हैं.

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट ने घोषणा की है कि उनके मुंबई के अस्पताल को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जॉइंट कमीशन इंटरनेशनल ने इंटरनेशनल हॉस्पिटल फेडरेशन के जिनेवा सस्टेनेबिलिटी सेंटर के साथ साझेदारी में हेल्थकेयर सस्टेनेबिलिटी प्रोग्राम के लिए सर्टिफिकेट ऑफ डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया है. यह प्रतिष्ठित और बहुत ही मूल्यवान सम्मान प्राप्त करके, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल इस कठोर वैश्विक मानक को पूरा करने वाला भारत का पहला और विश्व का पांचवां अस्पताल बन गया है. यह उपलब्धि अस्पताल की स्थिरता पहलों और पर्यावरण-अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

जीडीपी के मजबूत आंकड़ों से बाजार शिखर पर 359 अंक की बढ़त पर रहा संसेक्स

मुंबई, 01 दिसंबर. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित निवेशकों की लिवाली से सोमवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजारों में अच्छी तेजी देखी गयी और संसेक्स तथा निफ्टी-50 सूचकांक नये शिखर पर पहुंच गये.

संसेक्स 359.25 अंक की उच्चतम स्तर है. खबर लिखे जाते समय 70.05 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त में 26,273 अंक पर था. पिछले सप्ताह शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गयी. इससे पहले पहली तिमाही में भी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही थी. अनुमान से कहीं ज्यादा मजबूत आंकड़े आने से निवेशक उत्साहित हैं. ऑटो, बैंकिंग, वित्त, आईटी और धातु समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे.



बढ़त में 86,065.92 अंक पर खुला और 86,159.02 अंक तक पहुंच गया जो इसका उच्चतम स्तर है. खबर लिखे जाते समय यह 251.66 अंक (0.29 प्रतिशत) ऊपर 85,958.33 अंक पर था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 सूचकांक भी 122.85 अंक चढ़कर 26,325.80 अंक पर खुला जो इसका अब तक का

उच्चतम स्तर है. खबर लिखे जाते समय 70.05 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त में 26,273 अंक पर था. पिछले सप्ताह शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में जीडीपी में 8.2 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गयी. इससे पहले पहली तिमाही में भी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही थी. अनुमान से कहीं ज्यादा मजबूत आंकड़े आने से निवेशक उत्साहित हैं. ऑटो, बैंकिंग, वित्त, आईटी और धातु समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे.

विनिर्माण की रफ्तार नवंबर में पड़ी सुस्ता

मुंबई, 01 दिसंबर. देश के विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार नवंबर में सुस्त पड़ गयी और एचएसबीसी द्वारा सोमवार को जारी विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक घटकर 56.6 रह गया. अक्टूबर में विनिर्माण पीएमआई 59.2 दर्ज किया गया था. गिरावट के बावजूद नवंबर में गतिविधियों में अच्छी तेजी रही और सूचकांक दीर्घावधि औसत 54.2 से ऊपर बना हुआ है. सूचकांक का 50 से ऊपर होना गतिविधियों में तेजी और इससे नीचे होना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता दिखाता है.

समाचार विशेष

राजनाथ के यहां लंच, नड्डा के घर डिनर

दिल्ली में भाजपा-एनडीए की राजनीतिक हलचल तेज

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद भारतीय राजनीति में हलचल थमने का नाम नहीं ले रही. जहाँ सत्ता पक्ष इस विजय को राष्ट्रीय जनमत के रूप में प्रस्तुत कर रहा है, वहीं विपक्ष का संकट और गहराता दिखाई देता है. इसी बीच कांग्रेस के भीतर खुले असंतोष ने पार्टी नेतृत्व की कमजोर पकड़ को उजागर कर दिया है.

बिहार में चुनावी नतीजों के बाद कांग्रेस नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने जहां हार पर गहरी निराशा जताई, वहीं वरिष्ठ नेता राशिद अल्वी ने खुलकर केंद्रीय नेतृत्व पर निशाणा साधते हुए कहा कि बिहार में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा की मेहनत के सामने कहीं नहीं था. यही नहीं, राशिद अल्वी ने राहुल गांधी को



अप्राप्य बताते हुए पार्टी की कमान प्रियंका गांधी वाड्ढा को सौंपने की वकालत तक कर डाली. राशिद अल्वी ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल दागते हुए कहा, राहुल गांधी से मिलना आसान नहीं है, पार्टी को सुधारना है तो प्रियंका गांधी को कमान दें. यही बात पहले भी कई नेता कह चुके हैं कि राहुल गांधी से मुलाकात का समय नहीं मिलता और समय मिलता भी है तो राहुल गांधी मुलाकात के

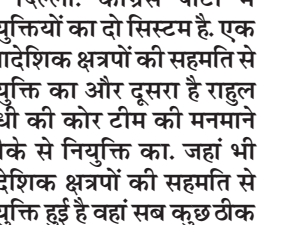
दूसरी ओर, इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के बीच संसद के शीतकालीन सत्र से पहले एनडीए की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर एक अहम बैठक हुई. इसमें भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरन रीजीजू, धर्मद प्रधान, भूपेंद्र यादव, मनसुख मांडविया, मनोहर लाल खट्टर सहित कई मंत्री उपस्थित रहे. जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की उपस्थिति ने इस बैठक को और राजनीतिक महत्व प्रदान किया. बैठक का एजेंडा स्पष्ट था— एनडीए को एकजुट रखने हुए सत्र में विपक्ष को रणनीतिक रूप से घेरना और बिहार की जीत को एक बड़े राजनीतिक संदेश में बदलकर आगे की चुनावी तैयारी में गति देना.

समय बात सुनने की बजाय कुत्ते को बिस्किट खिलाने में व्यस्त रहते हैं.

निकाय चुनाव में भावनात्मक मुद्दों की भरमार

मुंबई. महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय के चुनाव हो रहे हैं. हालांकि उसके नतीजे सुप्रिम कोर्ट के फैसले के अधीन होंगे क्योंकि सर्वोच्च अदालत में 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण देने का मामला विचारधीन है. लेकिन दो दिसंबर को होने वाले चुनावों से पहले खूब भावनात्मक मुद्दे उछाले जा रहे हैं. हिंदी भाषी लोगों के साथ मारपीट का काम उद्धव ठाकरे की शिव सेना और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे की मनसे कर रहे हैं. इसके बाद मनसे और भाजपा दोनों ने नाम बदलने का भावनात्मक मुद्दा भी उठा लिया है.

राहुल गांधी की नियुक्तियों पर विवाद



नई दिल्ली. कांग्रेस पार्टी में नियुक्तियों का दो सिस्टम है. एक है प्रादेशिक क्षेत्रों की सहमति से नियुक्ति का और दूसरा है राहुल गांधी की कोर टीम की मनमानी तरीके से नियुक्ति का. जहां भी प्रादेशिक क्षेत्रों की सहमति से नियुक्ति हुई है वहां सब कुछ ठीक चल रहा है या ठीक चलता दिख रहा है. चुनाव तो पार्टी वहां भी नहीं जीत रही है लेकिन सार्वजनिक विवाद नहीं हो रहे हैं.

जिन राज्यों में कांग्रेस का आधार खत्म हो गया है वहां भी किसी को बना देना पर कोई विवाद नहीं होता है. जैसे उत्तर प्रदेश में अजय राय अध्यक्ष हैं तो उनका होना न होना कोई मायने नहीं रखता है. सबको पता है कि कोई फैसला करना होगा तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्ढा सीधे अखिलेश यादव से बात करेंगे या प्रभारी अविनाश पंडे के जरिए बात होगी. लेकिन जहां पार्टी का कुछ आधार है या पार्टी के पास अच्छे नेता हैं वहां



मनमाने तरीके से हुई नियुक्तियों का विरोध हो रहा है. जहां सहमति से नियुक्ति हुई है, जैसे हरियाणा में भूपेंद्र सिंह हुड्डा को विधायक दल का नेता बनाने के बाद नरेंद्र यादव को अध्यक्ष बनाया गया तो सब

ठीक है. ऐसे ही हिमाचल प्रदेश में विय कृमर को बनाया गया है तो प्रतिभा सिंह और सुखविंदर सिंह सुखू दोनो खेमे संतुष्ट हैं. लेकिन महाराष्ट्र में हर्षवर्धन सपकाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का फैसला किसी के गले नहीं उतर रहा है. वहां कांग्रेस के पास दर्जनों बड़े नेता हैं, जिनके पास अपना आधार है. उनमें से किसी को बनाने पर खींचतान चलती, गुटबाजी होती लेकिन पार्टी के पास एक आधार होता. पर सपकाल को बनाने के बाद कांग्रेस अपना आधार तेजी से खो रही है.

सबसे ज्यादा विरोध बिहार की नियुक्तियों का

इससे पहले जम्मू कश्मीर में तारिक हमीद कारा को अध्यक्ष बनाने के फैसले का भी भारी विरोध हुआ था. लेकिन कांग्रेस नेताओं के कानों पर जू तक नहीं रेंगी. चुनाव में कांग्रेस दुरी तरह से हारी तो गुलाम अहमद मीर को विधायक दल का नेता बना दिया गया. झारखंड के प्रभारी रहते उन पर कई गड़बड़ियां के आरोप लगे थे. लेकिन पार्टी जीत गई तो उनको पश्चिम बंगाल का प्रभारी बना दिया गया. सबसे ज्यादा विरोध बिहार की नियुक्तियों का ही रहा है. चुनाव से पहले ही विरोध शुरू हो गया था लेकिन अब तो खुल कर पार्टी के नेता लड़ने लगे हैं. पार्टी के कई नेता दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और राहुल गांधी से मिलने की मांग कर रहे हैं.

कमल खिलाने के लिए भाजपा ने कसी कमर



नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार चुनाव में जीत के बाद पश्चिम बंगाल को अपना अगला लक्ष्य करार दे दिया था. भाजपा अब इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए तैयार हो गई है. पार्टी ने पूरे पश्चिम बंगाल को छ: हिस्सों में बांटकर हर हिस्से के लिए विशेष रणनीति बनाते हुए इसे जीतने की रणनीति बनाई है. हर हिस्से के लिए भाजपा के

अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है जो स्थानीय आवश्यकताओं को देखते हुए चुनावी रणनीति बनाएंगे और इन सीटों पर जीत दिलाएंगे. इसमें दिल्ली भाजपा के संगठन मंत्री पवन राणा और हिमाचल प्रदेश के संगठन मंत्री सिद्धार्थ शामिल हैं. पिछले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने पश्चिम बंगाल में बड़ी जीत के दावे किए थे, लेकिन बेहद आक्रामक चुनाव प्रचार के बाद भी भाजपा 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 77 सीटों पर ही सिमट कर रह गई. इसके

पिछले चुनाव के मुकाबले पार्टी ने 74 सीटों की शानदार बढ़त हासिल की थी, लेकिन इसके बाद भी वह अपने दावे के अनुसार सत्ता तक नहीं पहुंच सकी. पिछली गलती से सीख लेते हुए पार्टी ने आक्रामक चुनाव प्रचार की बजाय इस बार जमीनी रणनीति अपनाकर जीत हासिल करने की रणनीति बनाई है. इसके लिए जिस क्षेत्र में जो मुद्दे प्रभावी और व्यापक जनहित से जुड़े होंगे, उन क्षेत्रों में वही मुद्दे उठाए जाएंगे. इसके लिए भाजपा की रिसर्च टीम हर क्षेत्र के मुद्दों की पहचान में जुट गई है.

एसआईआर के मुद्दे पर सबसे ज्यादा विरोध पश्चिम बंगाल में ही देखने को मिल रहा है

एसआईआर के मुद्दे पर सबसे ज्यादा विरोध पश्चिम बंगाल में ही देखने को मिल रहा है. ममता बनर्जी ने इसे मुसलमानों और बंगालियों के खिलाफ बताते हुए इसके विरोध में मोर्चा खोल दिया है, लेकिन जिस तरह एसआईआर प्रक्रिया के शुरू होने के बाद बंगलादेश भागने वाली की संख्या बढ़ रही है, माना जा रहा है कि इसका व्यापक असर हो सकता है. पश्चिम बंगाल के एक भाजपा नेता की अनुसार, ममता बनर्जी जिनसे एसआईआर के विरोध में बोल रही हैं, उनका ही बंगाल का मूल समुदाय एकजुट हो रहा है.

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
Office of The Dy. General Manager (STM) City Division, Bhopal
E-mail ID : tmcitycircle@gmail.com
Ref. No. : DGM/STM/CC/2025/440 Bhopal, Dated : 01.12.2025

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following Locations :-

Name of Unit/Office	Particulars	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
Manager (STM) Sub Division-1 City Circle, Bhopal	Type F4 : Mini Pick up - Double cabin with ladder/Any Low End SUV half open from backside for carriage of man, materials, ladder, etc. or equivalent. (for Double shift).	15.12.2025 Up to 3:00 pm	15.12.2025 at 3:30 pm

Other details, terms and conditions are available on Company website : <https://portal.mpcz.in> or the under signed office.
M.P. Madhyam/123292/2025 **DGM (STM) CITY**